पाठ 5. डाकू सुधर गया (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। इसमें बताया गया है कि किस प्रकार एक डाकू को आत्मज्ञान होता है और वह कुकर्मों को छोड़ देता है।

अध्यापन संकेत

यह पाठ केवल पठन के लिए है। बच्चों को गुरु नानकदेव की जीवनी बताएँ और उनके उपदेशों के बारे में चर्चा करें। उन्हें यह भी बताएँ कि गुरु नानकदेव केवल सिक्खों के ही गुरु नहीं थे बल्कि संपूर्ण मानव जीवन के आदर्श थे।

बच्चों से कुछ ऐसे बुरे कामों के बारे में कक्षा में चर्चा करें जिनके कारण समाज में उन कामों में लिप्त लोगों को अच्छी नज़रों से नहीं देखा जाता है।